दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय

सिविल लाइन्स, गोरखपुर–273001

सम्बद्ध : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दिगंत

ई-पत्रिका:मार्च-2023

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 'अ' श्रेणी में वर्गीकृत

Website : www.dnpgcollege.edu.in

Helpline Email : dnpgonline@gmail.com

Office Email : dnpggkp@gmail.com

Contact Number : 0551-2334549

For Social App links (Click one icon) :

दिगंत-ई-पत्रिका:मार्च-2023

संरक्षक मण्डल

परमपूज्य गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी महाराज

मुख्य संरक्षक

प्रो.उदय प्रताप सिंह

अध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

श्री प्रमोद कुमार चौधरी

उपाध्यक्ष, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद, गोरखपुर

सम्पादक मण्डल

प्रो. ओम प्रकाश सिंह,प्राचार्य

प्रधान सम्पादक

1. **डॉ. सुभाष चन्द्र,** सहायक आचार्य, बी.एड. विभाग
2. **डॉ. विभा सिंह,** सहायक आचार्य, हिन्दी विभाग
3. **डॉ. प्रियंका सिंह,** सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान विभाग
4. **श्री अश्वनी कुमार श्रीवास्तव,** तकनीकी सहायक

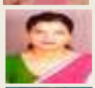

March-2023

कार्यक्रम विवरण-

क्र.सं.	दिनांक एवं दिन	विभाग का नाम	कार्यक्रम का नाम	पेज नं.
1.	01.03.2023	वनस्पति विज्ञान विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	1–2
2.	02.03.2023	महाविद्यालय	अतिथि व्याख्यान	2
3.	03.03.2023	राजनीति विज्ञान विभाग	एम.ए.द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों का अभिनन्दन समारोह	3
4.	03.03.2023	महाविद्यालय	शिक्षक–अभिभावक सम्मेलन	4
5.	13.03.2023	प्राचीन इतिहास विभाग	अभिनन्दन एवं विदाई समारोह	5
6.	14.03.2023	महाविद्यालय	वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण समारोह	6
7.	18.03.2023	रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	7
8.	18.03.2023	शिक्षाशास्त्र विभाग	एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन	8
9.	19.03.2023	राष्ट्रीय सेवा योजना	एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन	9
10.	20.03.2023	राजनीति विज्ञान विभाग	एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन	10
11.	21.03.2023	राजनीति विज्ञान विभाग	एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन	10
12.	22.03.2023	समाजशास्त्र विभाग	प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन	11
13.	23.03.2023	महाविद्यालय	विद्यार्थियों के आर्थिक सहायता हेतु साक्षात्कार	12
14.	24.03.2023	राष्ट्रीय सेवा योजना	सप्त दिवसीय शिविर उद्घाटन	13
15.	25.03.2023	बी.एड.विभाग	स्काउट गाइड कार्यक्रम का समापन	14
16.	25.03.2023	राजनीति विज्ञान विभाग	विदाई समारोह	14

March-2023

17.	26.03.2023	राष्ट्रीय सेवा योजना	सप्त दिवसीय शिविर का दूसरा दिन	15
18.	27.03.2023	राष्ट्रीय सेवा योजना	सप्त दिवसीय शिविर का तीसरा दिन	16
19.	27.03.2023	राष्ट्रीय सेवा योजना	सप्त दिवसीय शिविर का चौथा दिन	17
20.	28.03.2023	राष्ट्रीय सेवा योजना	सप्त दिवसीय शिविर का पांचवा दिन	17
21.	29.03.2023	एन.सी.सी.	राष्ट्रीय कैडेट कोर	18
22.	29.03.2023	राष्ट्रीय सेवा योजना	सप्त दिवसीय शिविर का छठवां दिन	19
23.	30.03.2023	राष्ट्रीय सेवा योजना	सप्त दिवसीय शिविर का समापन समारोह	20
24.	31.03.2023	भौतिक विज्ञान विभाग	एकेडमिक ऑडिट	20–21
25.	31.03.2023	शिक्षाशास्त्र विभाग	विशिष्ट व्याख्यान	22–23
26.	31.03.2023	बी.एड. विभाग	विशिष्ट व्याख्यान एवं एकेडमिक ऑडिट	23–24

March-2023

विज्ञान संकाय द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

दिनांक 01.03.2023 को महाविद्यालय में विज्ञान संकाय द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'आत्मा और मन' मुख्य वक्ता डॉ. विद्यालंकार, आचार्य योग और भारतीय संस्कृति भारतीय महाविद्यालय दूतावास, न्यूयार्क थे।

डॉ. विद्यालंकार ने मन की 05 अवस्थाएँ मूढ़, क्षिप्त, विक्षिप्त, एकाग्र और निरुद्ध पर विस्तार से चर्चा करते हुए बताया कि एकाग्र अवस्था, मन की एक श्रेष्ठ अवस्था है जो मनुष्य को असाधारण बनाने में उत्प्रेरक का कार्य करती है। उसके उपरान्त निरूद्ध अवस्था को प्राप्त व्यक्ति चराचर जगत में प्राणि मात्र की मन एवं भावना को जानने में सक्षम होता है। जो व्यक्ति मन को विचार शून्य अवस्था में रखने में समर्थ होते हैं उसे ही समाधि कहते हैं।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह जी ने कहा कि स्वयं को जानना ही आत्म साक्षात्कार है। स्वयं के बोध होने के बाद ज्ञात होता है कि संसार के जिन भौतिक पदार्थो को पाने के लिए पूरा जीवन लगा दिया, वास्तव में उनका मूल्य कुछ भी नहीं है। मूल्यहीन वस्तुओं की पाने की चाहत हमारी अज्ञानता को दर्शाता है। उन्होंने सुख और दुःख में अंतर करते हुए कहा कि अनुकूल वेदना ही सुख है और प्रतिकूल वेदना ही दुख है। **कार्यक्रम के प्रारंभ में डॉ. दयाशंकर विद्यालंकार जी ने महाविद्यालय के शिक्षक डॉ नीतीश शुक्ला, भौतिक विज्ञान विभाग एवं डॉ. पवन कुमार पाण्डेय, कम्प्यूटर विभाग को सामाजिक कार्यों में सहयोग प्रदान करने हेतु अपनी**

संस्था पतंजलि वेदनीडम योग संस्थान, हरिद्वार, उत्तराखंड द्वारा उत्कृष्ट समाज सेवा सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी एवं संचालन डॉ. नितीश शुक्ला तथा आभार ज्ञापन प्रो. परीक्षित सिंह ने किया।

'वर्तमान में रामराज्य की उपादेयता' विषय पर व्याख्यान

दिनांक 02.03.2023 को महाविद्यालय में व्याख्यान का आयोजन किया गया जिसका विषय था 'वर्तमान में रामराज्य की उपादेयता' जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. पृथ्वी राज सिंह गोरक्ष प्रांत के प्रांत संरक्षक थें। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि रामराज्य का आशय एक ऐसे आदर्श राज्य से है जिसमें प्रत्येक नागरिक को समान भाव से न्यूनतम सभी आवश्यकता पूरी हो और निर्विवाद रूप से सभी नागरिक भय मुक्त रहकर अपने दायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन कर सकें। वर्तमान सरकार ऐसे ही सामाजिक संकल्पना को साकार करने के लिए अग्रसर है।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो ओम प्रकाश सिंह जी ने कहा कि यूनानी दार्शनिक प्लेटो ने 'द रिपब्लिक' में कहा कि आदर्श राज्य तभी कायम हो सकता है, जब समाज का प्रत्येक वर्ग अपने निश्चित दायित्व का निष्ठापूवर्क निर्वहन करें। ऐसा करने से ही रामराज्य की भावना के अनुरूप समाज की स्थापना की जा सकती है। **कार्यक्रम का संचालन प्रो. नित्यानंद श्रीवास्तव तथा आभार ज्ञापन श्री भगवान सिंह ने किया।**

राजनीति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा अभिनन्दन समारोह का आयोजन

दिनांक 03 मार्च 2023, को महाविद्यालय के एम0ए0 द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों के अभिनन्दन समारोह का आयोजन एम0 ए0 चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा किया गया । कार्यक्रम का शुभारंभ दीप–प्रज्वलन व मंगलाचरण के साथ हुआ। कार्यक्रम में क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से मिस्टर फ्रेशर सत्यम तिवारी व मिस फ्रेशर दिव्या दूबे को चुना गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम गीत, संगीत, स्वागत नृत्य, सोलो नृत्य, ग्रुप नृत्य एवं प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि अनुशासित और संस्कार युक्त शिक्षा से ही सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास होता है जिसके लिए महाविद्यालय प्रतिबद्ध है। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को वर्तमान प्रतियोगी वातावरण में सफलता के लिए शुभकामनाएं व आशीर्वाद देते हुए कहा कि ''समय, श्रम और सौभाग्य जब तीनों ऋजु रेखा में होते हैं तभी व्यक्ति को सफलता मिलती है ।''

राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी श्री इन्द्रेश कुमार पाण्डेय ने सभी विद्यार्थियों को राजनीति विज्ञान विषय की वर्तमान समय में उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए उनके करिअर व सुनहरे भविष्य के लिए यह कैसे उपयोगी है इस विषय पर विस्तार से चर्चा किया।

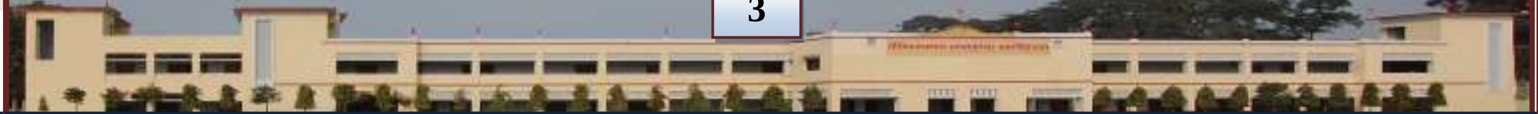

अभिभावक-शिक्षक सम्मेलन

दिनांक 03.03.2023 को महाविद्यालय में **अभिभावक–शिक्षक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि महाविद्यालय की पूर्व प्राचार्या डॉ. गीता दत्त** थी। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि परिवार, समाज व राष्ट्र निर्माण में अभिभावक की विशेष भूमिका होती है क्योंकि विद्यार्थी की प्रथम शिक्षा परिवार व अभिभावकों से ही शुरू होती है। बच्चों के व्यवहार पर उनके परिवार के सदस्यों का सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिए अभिभावक एक रोल मॉडल के रूप में बच्चे को जिम्मेदार नागरिक बनाने में मदद करता है। **कार्यक्रम में अभिभावकों की ओर से श्री कप्तान सिंह** ने कहा कि इस महाविद्यालय की स्थापना में गोरक्षपीठ के सम्मानित संतो का यह समाज ऋणी है जिन्होंने शिक्षा के क्षेत्र में अपना अमूल्य योगदान दिया है। इसी क्रम में **अभिभावक श्री राम बड़ाई यादव** ने कहा कि सम्पूर्ण मानवता रूपी पहिया अध्यापक रूपी कीली से संचालित होती है। स्वामी विवेकानन्द एक स्वस्थ समाज में अच्छा नागरिक तैयार करने में विद्यार्थियों की विशेष भूमिका बतायी है।

महाविद्यालय के मुख्य नियन्ता प्रो. धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि एक शिक्षक पठन–पाठन के साथ ही अनुशासन बनाने में भी कार्य करता है क्योंकि एक अच्छे नागरिक के निर्माण में अनुशासन की भी विशेष भूमिका होती है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने कहा कि शिक्षा, संस्कृति व राष्ट्रीयता के दिव्य प्रसार हेतु संकल्पित इस महाविद्यालय द्वारा

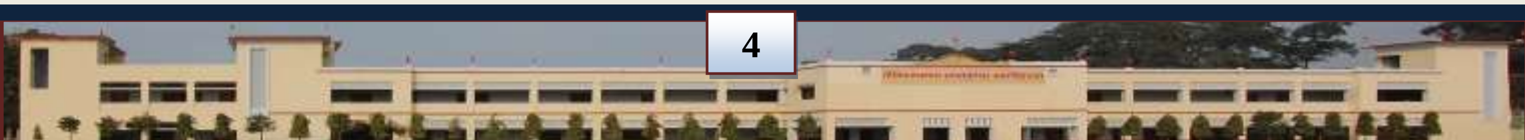

अनुशासित विद्यार्थी समाज निर्माण में अपना योगदान करता है। **कार्यक्रम का संचालन डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी ने एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह** ने किया। इस कार्यक्रम में कुल 107 अभिभावकों द्वारा फीडबैक प्राप्त हुआ।

प्राचीन इतिहास विभाग के एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों का अभिनन्दन समारोह

दिनांक 13.03.2023 को महाविद्यालय में प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों का अभिनन्दन समारोह (फ्रेशर पार्टी) एवं विदाई समारोह (फेयरवेल पार्टी) का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह जी थे। कार्यक्रम में क्विज प्रतियोगिता के माध्यम से मिस्टर फ्रेशर सर्वेश साहनी व मिस फ्रेशर सोनम गौतम एवं मिस्टर फेयरवेल अभिषेक चौधरी व मिस फेयरवेल शालू सिंह को चुना गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम जैसे गीत–संगीत, स्वागत नृत्य, सोलो नृत्य एवं ग्रुप नृत्य प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि आज देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और प्रत्येक विद्यार्थी का यह कर्तव्य है कि वीर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जीवन से सीख लें और देश के नवनिर्माण में अपनी भूमिका का सफलतापूर्वक सम्पादन करें।

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के प्रभारी प्रो. धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि अनुशासित और संस्कार युक्त शिक्षा से ही सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास होता है जिसके लिए महाविद्यालय प्रतिबद्ध है।

वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन

दिनांक 14.03.2023 को महाविद्यालय में वार्षिक खेल पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत विजयी खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी गोरखपुर श्री आले हैदर थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय पारदर्शिता का है, जिसमें खिलाड़ियों की क्षमता उन्हें काफी आगे ले जा सकती है। इस दिशा में सरकार द्वारा भी खिलाड़ियों को विभिन्न रूपों में प्रोत्साहित किया जा रहा है। **कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह, पूर्व प्राचार्य थे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि** संस्थाओं के माध्यम से विद्यार्थियों के पठन–पाठन के साथ ही सम्यक विकास में खेल की भी विशेष भूमिका है। खेल शारीरिक विकास के साथ ही मानसिक विकास को भी बढ़ाता है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने किया। छात्रों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि** खेल में जीतना या हारना महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि प्रतिभागिता बहुत महत्वपूर्ण है। सरकार 'खेलो इंडिया' के माध्यम से देश की प्रतिभाओं को आगे लाना चाहती है। इसी क्रम में सांसद क्रीड़ा कुंभ के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यहाँ जोड़े **कार्यक्रम का संचालन डॉ. नितीश शुक्ला ने किया एवं आभार ज्ञापन क्रीड़ा सचिव श्री अवधेश कुमार शुक्ल ने किया। इस**

कार्यक्रम में कुल 88 खिलाड़ियों को मेडल व प्रशस्ति–पत्र देकर सम्मानित किया गया। जिसमें ओवर आल चैम्पियन निरमा भारती रही।

राष्ट्रीय सुरक्षा में जनसहभागिता विषय पर

दिनांक 18.03.2023 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा अतिथि व्याख्यान एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम मुख्य अतिथि डॉ. शैलेंद्र प्रताप सिंह, पूर्व प्राचार्य, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय थे। 'राष्ट्रीय सुरक्षा में जनसहभागिता' विषय पर अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सुरक्षा के लिए उस राष्ट्र के हितों की सुरक्षा करना राज्य के मूल आवश्यकताओं में से एक है। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा से पूर्व किस प्रकार राज्य और राष्ट्र का निर्माण हुआ इस पर प्रकाश डालते हुए उनमें मौलिक अंतर को स्पष्ट किया।

अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने राष्ट्र के तीन प्रकार के धारणाओं को बताया जिसमें प्रथम भारत को कुछ विद्वान एक सनातन राष्ट्र के रूप में मानते हैं। जिनमें अरविंद घोष, दयानंद सरस्वती, स्वामी विवेकानंद प्रमुख है। द्वितीय कुछ मध्यमार्गीय विद्वान जो यह मानते हैं कि भारत अभी राष्ट्र के रूप में विकास कर रहा है। जबकि तृतीय धारणा वाले वामपंथी और मार्क्सवादी यह मानते हैं कि राष्ट्र में विविधता और बहुलता है जिसके कारण यहां पर 'कई प्रकार की राष्ट्रीयता' है। इसके साथ ही विभाग द्वारा बी.ए./बी.एस–सी भाग–तीन के छात्र छात्राओं का विदाई भी किया गया।

शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 'लघु-शोध एवं शोध परियोजना' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला

दिनांक 18 /03/ 2023 को महाविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा 'लघु–शोध एवं शोध परियोजना' विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन महाविद्यालय के गोरखनाथ साहित्य केंद्र में किया गया। इस कार्यशाला में विषय विशेषज्ञ के रूप में मुख्य अतिथि डॉ ज्योति बाला, सहायक आचार्य, शिक्षा संकाय, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर थी। कार्यशाला को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 विद्यार्थियों को पूरे समय सीखने की प्रक्रिया में व्यस्त रखने वाली है। यह प्रक्रिया विद्यार्थी की बौद्धिक क्षमता का सर्वोत्कृष्ट विकास करने वाली है । इसी को ध्यान में रखते हुए हमारे परास्नातक पाठ्यक्रम में लघु–शोध एवं शोध परियोजना को स्थान दिया गया है। लघु–शोध कार्य से हमारे विद्यार्थी शोध के विभिन्न तरीकों को सीखते हैं। इसी प्रकार शोध परियोजना भी कम समय में सुनियोजित तरीके से कार्य को प्रोत्साहित करती है। शोध कार्य पूर्ण निष्ठा एवं नैतिक मूल्यों के साथ संपन्न करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ) ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि वर्तमान शिक्षा–नीति विद्यार्थियों को प्रायोगिक बनाने पर जोर देती है । कार्यशाला की प्रस्ताविकी एवं अतिथि स्वागत शिक्षाशास्त्र विभाग की प्रभारी श्रीमती निधि राय ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ त्रिभुवन मिश्रा तथा आभार ज्ञापन डॉ रुक्मिणी चौधरी ने किया।

March 2023

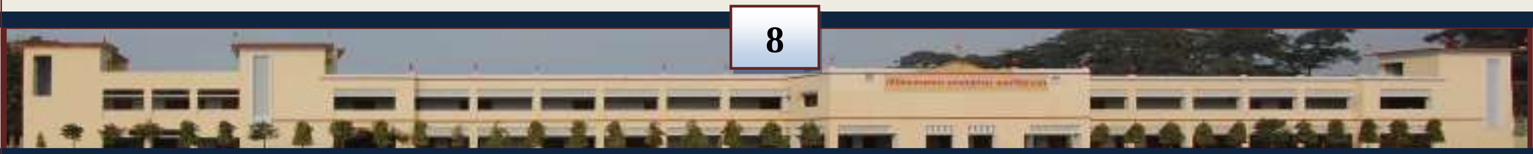

राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन

दिनांक 19.03.2023 को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के चारो इकाइयों महाराणा प्रताप, सुभाष, गोरखनाथ एवं मीराबाई के द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पूर्वाहन 10.00 बजे महाविद्यालय परिसर से एक 'स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत' विषय

पर जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि के रूप में डॉ सत्यपाल सिंह सहयुक्त आचार्य अर्थशास्त्र विभाग दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर थे। उनके द्वारा हरी झंडी दिखाकर एवं सफलता हेतु आशीर्वाद प्रदान कर रैली को रवाना किया गया इस रैली का नेतृत्व महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफ़ेसर ओमप्रकाश सिंह के द्वारा किया गया। इस रैली में महाविद्यालय के मुख्य नियंता प्रोफेसर धीरेंद्र सिंह वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ संजय कुमार त्रिपाठी, कार्यक्रम अधिकारी डॉ पीयूष सिंह, डॉ प्रदीप कुमार यादव उपस्थित रहे। स्वयंसेवक लीडर छत्रसाल सिंह के द्वारा रैली को नियोजित एवं व्यवस्थित किया गया। रैली में स्वयं सेवको ने जन–जन को जगायेंगे स्वस्थ गोरखपुर बनाएंगे 'स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत' जैसे अनेक नारे लगायें ।

राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'रिसर्च मेथोडोलॉजी' विषय पर कार्यशाला

दिनांक 20.03.2023 को महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह के निर्देशन में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा 'रिसर्च मेथोडोलॉजी' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम में शोध की महत्ता को देखते हुए कार्यशाला में शोध के विविध आयामों पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर **विभाग प्रभारी श्री इंद्रेश पांडेय ने बताया कि शोध प्रतिवेदन में शोध के विविध चरण–शोध समस्या का चयन, साहित्यिक सर्वेक्षण, शोध का उद्देश्य, उपकल्पना, तथ्यों का संकलन,** शोध का महत्व व शोध की सीमा का क्रमशः प्रस्तुतिकरण होना चाहिए। कार्यशाला के द्वितीय तकनीकी सत्र में डॉ शैलेश कुमार सिंह और डॉ अखिल श्रीवास्तव ने शोध से संबंधित विद्यार्थियों के प्रश्नों का समुचित उत्तर देते हुए उनकी जिज्ञासा को संतुष्ट किया। कार्यशाला का आयोजन व नियोजन डॉ प्रियंका सिंह ने किया।

राजनीति विज्ञान विभाग का एकेडमिक ऑडिट

दिनांक 21.03.2023 को महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग, का एकेडमिक ऑडिट हुआ। सेंटएंड्रयूज स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनायक धीरेंद्र प्रताप सिंह ने बतौर ऑडिटर पाठ्यक्रमों, कक्षा अध्यापन,

March-2023

मासिक मूल्याकंन, विश्वविद्यालय के मिड टर्म एवं इन्ड टर्म परीक्षा, कक्षा में विद्यार्थियों की उपस्थिति, अतिथि व्याख्यान, विभागीय सेमिनार व वर्कशॉप,विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन, विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयास, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, विभाग में उपलब्ध संसाधन एवं विभाग द्वारा संपन्न किए जाने वाली अन्य गतिविधियों की जांच की। उन्होंने विभाग द्वारा किये जा रहे प्रयास की सराहना की और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अध्यापन और शिक्षण के लिए आधुनिक तकनीकों के प्रयोग का सुझाव भी दिया। विभाग के प्रभारी श्री इंद्रेश पाण्डेय ने विभाग के उपलब्धियों के बारे में उन्हें बताया। ऑडिट करने के बाद ऑडिट रिपोर्ट सहयुक्त आचार्य डॉ. विनायक धीरेंद्र प्रताप सिंह ने सील बंद लिफाफे में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह को सौंप दिया।

समाजशास्त्र विभाग द्वारा प्रश्नमंच प्रतियोगिता का आयोजन

दिनांक 22.03.2023 को महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग में बी.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के मध्य प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 68 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर खुशी, द्वितीय स्थान पर शालिनी तथा तृतीय स्थान हिमांशी ने प्राप्त किया।

इस अवसर पर विभाग की प्रभारी प्रो. अर्चना सिंह ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए सदैव प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने एवं अपना बेहतर प्रदर्शन करने का प्रयास करना चाहिए। जो विद्यार्थी कोई स्थान प्राप्त नहीं कर सके उन्हें अगले समय के लिए अपनी तैयारी जारी रखनी चाहिए। इस अवसर पर विभागीय शिक्षक श्री विवेकानन्द शुक्ल, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. सरिता सिंह एवं प्रतिभागी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के आर्थिक सहायता हेतु साक्षात्कार

दिनांक 23 मार्च 2023 को महाविद्यालय में बलिदान दिवस के अवसर पर छात्र कल्याण समिति के द्वारा महाविद्यालय स्तर पर विद्यार्थियों के 'आर्थिक सहायता हेतु साक्षात्कार' का आयोजन किया गया। आर्थिक सहायता हेतु महाविद्यालय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के कुल 517 विद्यार्थियों ने आवेदन पत्र जमा किया था, जिसमें से कुल 480 विद्यार्थी साक्षात्कार हेतु उपस्थित हुए। साक्षात्कार के लिए पांच मानक–अभिवावक/परिवार की वार्षिक आय, शैक्षिक योग्यता, पाठ्य सहगामी क्रियाओं में सहभागिता, कक्षा में उपस्थिति एवं अभिभावक पर आश्रितता निर्धारित किए गए थे।

महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने घोषणा की कि चयनित विद्यार्थियों के बैंक खातों में 31 मार्च तक उनकी सहायता राशि महाविद्यालय के प्रबंध तंत्र द्वारा भेज दी जाएगी। महाविद्यालय ऐसे विद्यार्थियों के साथ मजबूती से खड़ा है जो आर्थिक रूप से कमजोर है यथासंभव उनके शिक्षा हेतु आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

साक्षात्कार प्रक्रिया के अंत में छात्र कल्याण समिति के समन्वयक डॉ. सुभाष चन्द्र ने समस्त विद्यार्थियों, समिति के सदस्यों, उपस्थित प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों को साक्षात्कार के सफल आयोजन के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया।

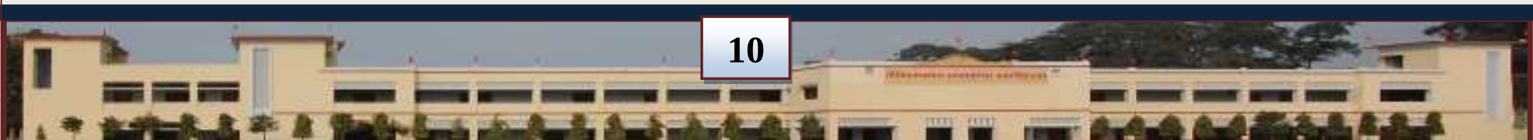

विशेष सप्तदिवसीय शिविर का उद्घाटन

दिनांक 24.03.2023 को महाविद्यालय के **राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाईयों महाराणा प्रताप, सुभाष, गोरखनाथ एवं मीराबाई इकाई के विशेष सप्तदिवसीय शिविर का उद्घाटन महन्त दिग्विजयनाथ सभागार में हुआ।** इस कार्यक्रम में **मुख्य अतिथि प्रो. सरिता पाण्डेय, आचार्य शिक्षाशास्त्र विभाग, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर** थी। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि विशेष सप्तदिवसीय शिविर की निर्धारित परियोजना 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' जनजागरूकता अभियान भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर 02 अक्टूबर 2014 को प्रारम्भ हुआ था। स्वच्छता, पर्यावरण, जीव सुरक्षा ये तीनों महात्मा गॉधी के प्रिय विषय थे। स्वच्छता को प्रभावी व स्थायी बनाने के लिए जरूरी है कि वह सभी नागरिकों के आदत, स्वभाव और व्यवहार का हिस्सा बनें। **महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह जी** ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना भारत सरकार के युवा और खेल मंत्रालय की एक केन्द्रीय क्षेत्र की योजना है जिसे औपचारिक रूप से 24 सितम्बर 1969 को प्रारम्भ किया गया था। **राष्ट्रीय सेवा योजना का आदर्श वाक्य है 'मैं नही हम'।** आप सभी स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं को इस प्रकार के सप्तदिवसीय शिविर में साथ–साथ रहने, साथ–साथ कार्यक्रम करने, साथ–साथ भोजन करने, अपने आचार एवं विचारों को आपस में साझा करने का अवसर मिलता है, जिससे आपके अन्दर मैं की भावना समाप्त होती है एवं हम की भावना जागृति होती है।

March 2023

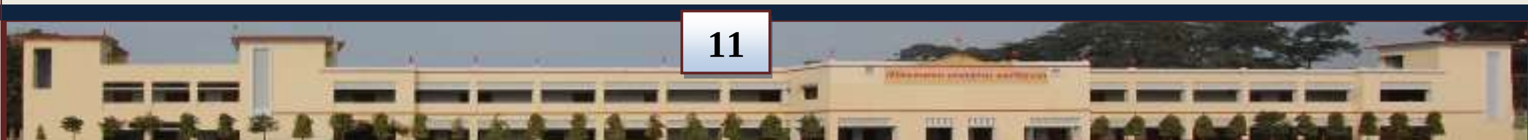

कार्यक्रम की प्रस्ताविकी वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत की गयी, जिसमें उन्होंने सप्त दिवसीय शिविर के सातों दिन के चलने वाले क्रियाकलापों एवं कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा रखी।

पंचदिवसीय स्काउट गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम समापन समारोह

भारत स्काउट और गाइड जनपद गोरखपुर के तत्वाधान में महाविद्यालय में दिनांक 20–3–2023 से चल रहे बी०एड० प्रशिक्षुओं के अनिवार्य पंचदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का विधिवत समापन दिनांक 24–03–2023 को संपन्न हुआ। समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह थे। उन्होंने ध्वजारोहण कर समापन समारोह का शुभारंभ किया। तत्पश्चात आयोजित दीक्षा कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को दीक्षित कर तिलक लगाकर मिष्ठान खिलाया एवं स्काउट गाइड प्रतिज्ञा का पालन करने की शपथ दिलाई। तत्पश्चात प्रशिक्षुओं द्वारा कैंप में लगाए गए टेंट का निरीक्षण किया एवं प्रशिक्षुओं द्वारा बनाए गए विभिन्न प्रकार के उपकरणों की जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए उन्होंने इस प्रशिक्षण के महत्व एवं उद्देश्यों से परिचित कराया। पांच दिन से चल रहे इस पंचदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षिका श्रीमती इशरत सिद्दीकी एवं सहायक प्रशिक्षक चंद्रभान सिंह द्वारा प्रशिक्षुओं को स्काउट गाइड के मूलभूत सिद्धांतों, नियमों, स्काउट गाइड की प्रतिज्ञा, स्काउट गाइड

प्रशिक्षण के महत्व, प्रार्थना ,ध्वज गीत, ध्वजारोहण करने एवं ध्वज को उतारने के नियमों, विभिन्न प्रकार की तालियों, शारीरिक व्यायाम, गांठ बांधने के विभिन्न तरीकों एवं उनके उपयोग एवं प्राथमिक उपचार आदि का प्रशिक्षण दिया गया। समारोह द्वारा प्रशिक्षुओं को समाज सेवा के प्रति कृत संकल्पित किया गया।

विशेष सप्तदिवसीय शिविर के दूसरे दिन

दिनांक 25.03.2023 का महाविद्यालय गोरखपुर के **राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाईयों महाराणा प्रताप, सुभाष, गोरखनाथ एवं मीराबाई इकाई द्वारा आयोजित विशेष सप्तदिवसीय शिविर के दूसरे दिन प्रार्थना सभा, योगासन, राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य, गीत, संकल्प गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ** किया गया। **स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत विषय पर आधरित निबन्ध प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। जिसमें **कुल 33 प्रतियोगियों** ने प्रतिभाग किया। **प्रथम स्थान पर स्वयं सेविका आराध्या दूबे बी.ए. द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर), द्वितीय स्थान सुप्रिया राय बी.एससी. द्वितीय वर्ष (चतुर्थ सेमेस्टर) एवं तृतीय स्थान पर शाम्भवी पाण्डेय बी.एससी. प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर) रहीं। सांत्वना शिखा त्रिपाठी एम.काम. प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर) एवं संजना जायसवाल बी.काम. प्रथम वर्ष (द्वितीय सेमेस्टर)** ने प्राप्त किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के दूसरे दिन के प्रथम बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता डॉ. विवेक कुमार शाही, असिस्टेन्ट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर थे। **कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार यादव** द्वारा किया गया।

राजनीति विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों के विदाई समारोह का आयोजन

दिनांक 25 मार्च 2023 को महाविद्यालय के एम0ए0 चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों के विदाई समारोह का आयोजन एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीपप्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ हुआ। कार्यक्रम में विद्यर्थियों द्वारा क्विज प्रतियोगिता, मूक नाट्य मंचन, जैसे विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्वागत गीत नृत्य, संगीत, सोलो नृत्य, ग्रुप नृत्य प्रस्तुत किया गया। इसके साथ ही **विद्यार्थियों द्वारा ''स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत'' विषय पर लघु नाटिका प्रस्तुत कर स्वच्छता के लिए एक प्रेरणादायी संदेश भी दिया गया।**

उक्त अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओमप्रकाश सिंह ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि विद्यार्थियों को अपने लक्ष्यबोध और चरित्र निर्माण के प्रति सजग रहना चाहिए। उन्होंने एक **कविता –''निर्माणों के पावन युग में, आओ हम चरित्र निर्माण करे''** के माध्यम से विद्यार्थियों को बहुआयामी व्यक्तित्व निर्माण का संदेश दिया।

राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी श्री इन्द्रेश पाण्डेय ने एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों को महाविद्यालय की अमूल्य निधि कहा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए उन्हें प्रेरित करते हुए शुभकामनाएं दी।

विशेष सप्त दिवसीय शिविर के तीसरे दिन

दिनांक 26.03.2023, को महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाई–महाराणा प्रताप, सुभाष, गोरखनाथ एवं मीराबाई द्वारा आयोजित विशेष सप्त दिवसीय शिविर के तीसरे दिन प्रातः योगासन एवं सेल्फ डिफेन्स प्रशिक्षक आदित्य कुमार जायसवाल ने स्वयं सेवक व स्वयं सेविकाओं को योगासन का प्रशिक्षण दिया तथा सेल्फ डिफेन्स के विभिन्न आयामों के गुण भी बताया। अपराह्न बौधिक सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में इन्जीनियर विपुल त्रिपाठी, सी.ई.ओ. विधुन लर्निफाई कम्पनी लिमिटेट सरोजनी नगर लखनऊ थे। उन्होंने कौशल विकास विषय पर व्याख्यान देते हुए कहा कि आप सभी अपना आत्मवृत (बायोडाटा) तैयार करते है लेकिन आत्मवृत तैयार करते समय सावधानी नहीं वरततें हैं। रिज्जूम आत्मवृत्त केवल एक पेज में ही समायोजित करते हुए वेसिक इन्फार्मेसन, शैक्षिक योग्यता जिसमें साफ्ट स्किल एवं टेक्निकल स्किल का ध्यान रखना चाहिए। विधुन लर्निफाई कम्पनी प्रा. लिमिटेट द्वारा चलाये जाने वाले विभिन्न कोर्षों के बारे में बात करते हुए आगे कहा कि आज के वैश्वीकरण के दौर में हमारा बाजार वैश्विक हो चुका है ऐसी स्थिति में विदेशी भाषाओं का भी हमें ज्ञान होना परम आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि राय के द्वारा किया गया एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पियूष सिंह के द्वारा किया गया।

March 2023

सप्तदिवसीय शिविर के चौथे दिन

दिनांक 27.03.2023 को महाविद्यालय के **राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाईयों महाराणा प्रताप, सुभाष, गोरखनाथ एवं मीराबाई इकाई द्वारा आयोजित विशेष सप्तदिवसीय शिविर के चौथे दिन प्रार्थना सभा, राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत, संकल्प गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ** किया गया। इसके उपरान्त **सहज योग कार्यक्रम के अवसर** पर **मुख्य वक्ता श्री राजेश श्रीवास्तव** ने बताया कि सहज योग की ध्यान पद्धति से ध्यान कर व्यक्ति सारी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सकता है। **दूसरे सत्र में पोस्टर/स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन** किया गया। जिसमें **कुल 29 स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं ने प्रतिभाग** किया। प्रतियोगिता में **प्रथम स्थान** शिखा त्रिपाठी (एम.काम. प्रथम) सुभाष इकाई, **द्वितीय स्थान** पर सिमरन राय (बी.काम द्वितीय) गोरखनाथ इकाई, **तृतीय स्थान** श्वेता कुमारी, (बी.काम. प्रथम), महाराणा प्रताप इकाई एवं **सांत्वना** अंजलि दूबे, (बी.काम. द्वितीय), महाराणा प्रताप इकाई, अंकिता विश्वकर्मा, (बी.काम. प्रथम), महाराणा प्रताप इकाई को प्राप्त हुआ।

बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. जितेन्द्र पाण्डेय, सहायक आचार्य, भूगोल विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि पर्यावरण संरक्षण के अन्तर्गत जल, वायु, पेड़, पौधे, पर्वत, प्राकृतिक सम्पदा आदि सभी आते हैं। वर्तमान समय में ग्लोबल वार्मिंग के कारण विकसित, विकासशील देशों के सम्मुख खतरे उत्पन्न हो गये हैं। ऐसे में पर्यावरण का ध्यान प्रत्येक व्यक्ति को कर्तव्य एवं दायित्व मानकर निर्वहन करना होगा। **कार्यक्रम का संचालन**

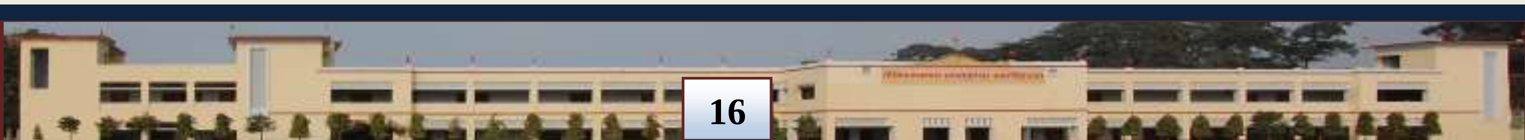

वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. निधि राय ने किया।

सप्तदिवसीय शिविर के पाँचवें दिन

दिनांक 28.03.2023 को महाविद्यालय के **राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाईयों महाराणा प्रताप, सुभाष, गोरखनाथ एवं मीराबाई इकाई द्वारा आयोजित विशेष सप्तदिवसीय शिविर के पाँचवें दिन प्रार्थना सभा, राष्ट्रीय सेवा योजना का लक्ष्य गीत, संकल्प गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ** किया गया। पांचवे दिन प्रातः **सेल्फ डिफेंस प्रशिक्षक श्री आदित्य कुमार जायसवाल** ने स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं को योगासन के विभिन्न आयामों पर प्रशिक्षण दिया तथा ताईक्वाण्डों आत्म सुरक्षा का भी प्रशिक्षण दिया।

अपराह्न बौद्धिक सत्र में मुख्य वक्ता **डॉ. त्रिभुवन मिश्रा, सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर** ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि नई शिक्षा नीति के तहत स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा में कई अहम बदलाव हुए है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 भारत को वैश्विक ज्ञान महाशक्ति बनाने के लिए लायी गयी है, यह स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक अधिक लचीला, समग्र और बहुविषयक रूप धारण करने की अनूठी क्षमता को रिकार्ड करेगा। **कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पीयूष कुमार सिंह** द्वारा किया गया।

अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स दिवस का आयोजन

दिनांक 29.03.2023 को 44 यूपी बटालियन एनसीसी, गोरखपुर के तत्वावधान में महाविद्यालय के एनसीसी यूनिट ने अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्षः 2023 के अवसर पर अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स दिवस का आयोजन किया।

कार्यक्रम के प्रथम सत्र में सीटीओ डॉ. सुभाष चन्द्र ने एनसीसी कैडेट्स को मोटे अनाज के सेवन के लाभ व आवश्यकता के बारे में विस्तृत जानकारी दी। डॉ. सुभाष चन्द्र ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के द्वारा बताया कि अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 के लिए 8 मोटे अनाजों—बाजरा, रागी, कंगनी, चेना, सांवा, ज्वार, कुटकी एवं कोदो को चिन्हित किया गया है। वर्ष 2023 को 'अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष' के रूप में मनाने का प्रमुख उद्देश्य किसानों को मोटे अनाज उगाने के लिए प्रेरित करना, मोटे अनाजों को लोगों की थाली तक पहुँचाने के लिए जागरुक करना तथा मिलेट के प्रोसेस्ड फूड यानी प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों को बढ़ावा देना है।

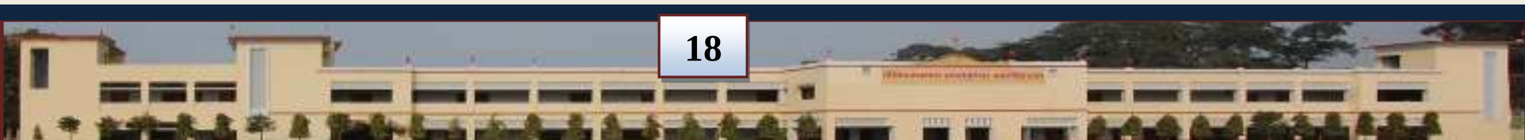

सप्तदिवसीय शिविर के छठवें दिन

दिनांक 29.03.2023 को महाविद्यालय गोरखपुर के **राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाईयों द्वारा महाराणा प्रताप, सुभाष, गोरखनाथ एवं मीराबाई इकाई द्वारा आयोजित विशेष सप्तदिवसीय शिविर के छठवें दिन प्रार्थना सभा** के पश्चात **नवरात्र पर्व के अष्टमी** के अवसर **महाराणा प्रताप इकाई** के स्वयं सेविकाएं मंगला देवी मन्दिर बेतियाहाता, **सुभाष इकाई** के स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाएं हनुमान मन्दिर बेतियाहाता, **मीराबाई इकाई** की स्वयं सेविकाएं काली मन्दिर दाउदपुर एवं **गोरखनाथ इकाई** के स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाएं काली मन्दिर गोलघर, गोरखपुर में स्वच्छता अभियान चलाकर मन्दिर एवं मन्दिर परिसरों को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने का सार्थक पहल किया। **प्रथम सत्र में स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत विषय पर क्विज प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया। **जिसमें 105 स्वयं सेवक/स्वयं सेविकाओं ने प्रतिभाग** किया। प्रतियोगिता में **प्रथम स्थान** बिपिन जायसवाल (बी.काम. द्वितीय) सुभाष इकाई, **द्वितीय स्थान** सिमरन राय (बी.एससी.बायो) गोरखनाथ इकाई, **तृतीय स्थान** मुस्कान राय (बी.ए.) मीराबाई इकाई ने प्राप्त किया।

बौद्धिक सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह जी ने कहा कि निःसन्देह महिलाएं किसी भी समाज का स्तम्भ होती हैं। वह प्रतिदिन भिन्न–भिन्न भूमिकाओं का निर्वहन करती हैं, महिलाएं सहृदय बेटियां, संवेदनशील माताएं, सक्षम सहयोगी और अन्य कई भूमिकाओं को बड़ी कुशलता व सौम्यता से निर्वहन करती हैं। **महाविद्यालय के मुख्य नियन्ता प्रो. धीरेन्द्र सिंह** ने इस अवसर पर कहा कि शिक्षा जीवन में प्रगति करने का एक शक्तिशाली उपकरण है। **कार्यक्रम का**

March 2023

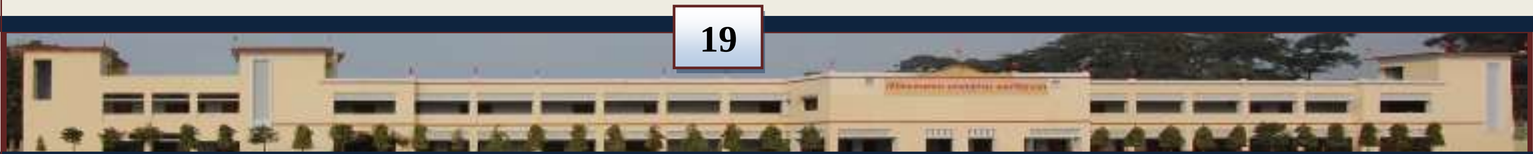

संचालन वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. पीयूष कुमार सिंह ने किया।

विशेष सप्तदिवसीय शिविर का समापन कार्यक्रम

दिनांक 30 मार्च, 2023 को महाविद्यालय, के **राष्ट्रीय सेवा योजना के चारों इकाईयों महाराणा प्रताप, सुभाष, गोरखनाथ एवं मीराबाई इकाई द्वारा आयोजित विशेष सप्तदिवसीय शिविर के सांतवे दिन प्रार्थना सभा, लक्ष्य गीत, संकल्प गीत के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ** किया गया। **प्रथम सत्र में मेहदी प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया, जिसमें **12 स्वयं सेविकाओं** ने प्रतिभाग किया। **प्रथम स्थान** अंकिता शर्मा (एम.काम.प्रथम) गोरखनाथ इकाई, **द्वितीय स्थान** रूपाली गुप्ता (बी.एससी.) गोरखनाथ इकाई, **तृतीय स्थान** शिखा त्रिपाठी (एम.काम.प्रथम) सुभाष इकाई, **सांत्वना पुरस्कार** नन्दिनी (बी.काम. प्रथम) महाराणा प्रताप इकाई, आयुषी शाही (बी.ए.द्वितीय) मीराबाई इकाई को प्राप्त हुआ।

विशेष सप्तदिवसीय शिविर के समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. अवधेश सिंह, (एस.पी.), जी.आर.पी., रेलवे मण्डल, गोरखपुर ने कहा कि प्रत्येक क्षेत्र में सफल होने के लिए मूल में शिक्षा ही है। राष्ट्र एवं शिक्षा के प्रति समर्पित होकर पूरे मनोयोग के साथ लक्ष्य प्राप्ति के लिए जुड़ जाना चाहिए तभी सफलता प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम के **विशिष्ट अतिथि डॉ. अमरकान्त सिंह, जिला**

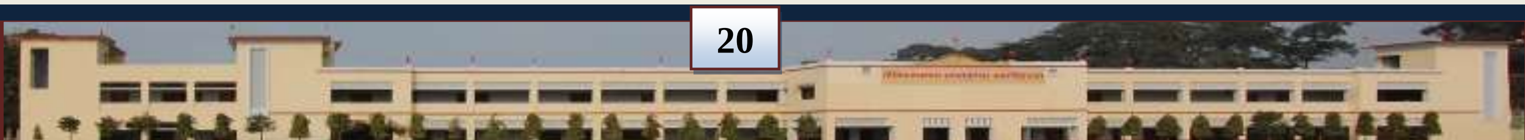

विद्यालय निरीक्षक, गोरखपुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि सोच में उंची उड़ान होने के साथ–साथ लक्ष्य के प्रति समर्पण भाव ही सफलता प्रदान करती है। **कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह** ने किया। **सप्त दिवसीय शिविर के समापन अवसर पर वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. संजय कुमार त्रिपाठी** ने स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत जनजागरूकता कार्यक्रम पर आधारित सप्त दिवसीय शिविर के सातो दिन के क्रिया कलापों की रिपोर्ट/आख्या प्रस्तुत किया।

भौतिक विज्ञान विभाग एकेडमिक ऑडिट

दिनांक 31.03.2023 को महाविद्यालय, गोरखपुर के भौतिक विज्ञान विभाग, का एकेडमिक ऑडिट हुआ। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भौतिक विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. कृपा मणि मिश्र ने बतौर ऑडिटर पाठ्यक्रमों, कक्षा अध्यापन, प्रयोगशाला, मासिक मूल्याकंन, विश्वविद्यालय के मिड टर्म एवं इन्ड टर्म परीक्षा, कक्षा में विद्यार्थियों की उपस्थिति, अतिथि व्याख्यान, नवाचार कार्यो, विभागीय सेमिनार व वर्कशॉप, विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत पॉवर प्वाइंट प्रजेंटेशन, विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास हेतु विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयास, सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, विभाग में उपलब्ध संसाधन एवं विभाग द्वारा संपन्न किए जाने वाली अन्य गतिविधियों की जांच की। उन्होंने विभाग द्वारा किये जा रहे शैक्षणिक गतिविधियों व नवाचार के प्रयासों की सराहना की और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप अध्यापन और शिक्षण के लिए आधुनिक तकनीकों के अधिकाधिक प्रयोग का सुझाव भी दिया।

Mar

श्रृंखला रही हैं। तक्षशिला, नालंदा, जगदल्ला, औदंतपुरी, विक्रमशिला आदि अनेक विश्वविद्यालय से उत्पन्न ज्ञान परंपरा द्वारा भारत ने जगत गुरु का दर्जा प्राप्त किया था।

"शिक्षक-शिक्षा विभाग में विशिष्ट व्याख्यान एवं अकादमिक लेखा परीक्षण का आयोजन"

दिनांक 31 मार्च 2023 को महाविद्यालय के शिक्षक–शिक्षा विभाग में 'शिक्षक–प्रशिक्षण कार्यक्रम में सूक्ष्म–शिक्षण का महत्व' विषय पर विशिष्ट व्याख्यान एवं अकादमिक लेखा परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम के प्रथम सत्र में विशिष्ट वक्ता प्रो० सुषमा पाण्डेय, शिक्षाशास्त्र विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर ने अपने उद्बोधन में प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि सूक्ष्म–शिक्षण शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का एक अनिवार्य घटक है । बिना इसके सैद्धांतिक एवं व्यवहारिक ज्ञान के एक कुशल शिक्षक बनना असंभव है । प्रश्नीकरण कौशल की चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि एक प्रश्न का निर्माण करते समय हम किन तकनीकी बातों को ध्यान में रखें जिससे हमारे द्वारा बनाए गए प्रश्न विश्वसनीय एवं वैध हो ।

इसी क्रम में उन्होंने प्रमुख शिक्षण कौशल–पाठ प्रस्तावना कौशल, श्यामपट्ट लेखन कौशल, अनुशीलन प्रश्न कौशल, पुनर्बलन कौशल, भाषा शिक्षण कौशल एवं व्याख्या कौशल के प्रमुख घटकों

एवं उनके महत्व से प्रशिक्षुओं को परिचित कराया । इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि शिक्षण कार्य करते समय हम शिक्षण सहायक–सामग्री का प्रयोग किस प्रकार से करें जिससे हमारा शिक्षण कार्य प्रभावशाली एवं बोधगम्य बन सके ।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र में प्रो० सुषमा पाण्डेय ने विभाग का अकादमिक लेखा परीक्षण भी किया, जिसके अंतर्गत उन्होंने विभाग में उपलब्ध भौतिक संसाधनों का निरीक्षण व अवलोकन किया। इसके साथ ही उन्होंने पाठ्यक्रम एवं पाठ्यक्रमेत्तर गतिविधियों, विभागीय नवाचारों, शैक्षणिक अभिलेखों के रखरखाव संबंधी जानकारी प्राप्त करते हुए विभागीय कार्यों की सराहना की तथा सी.बी.सी.एस. शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम व गतिविधियों के नियोजन एवं क्रियान्वयन संबंधी अपने महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

March-2023